

शब्दावली

| प्रतिवेदन में प्रयोग किया गया शब्द | विवरण |
|--|---|
| अदित | अदित भूमिगत सुरंगों में प्रवेश का एक प्रकार है जो कि समतल या लगभग समतल हो सकता है। |
| बैंक हिल स्लोप स्थायीकरण | उचित उपाय अर्थात् शोटक्रीट, एन्कर, बोल्ट इत्यादि द्वारा भविष्य में किसी भी संभावित घटना से बचने के लिए सतही पावर हाऊस के मामले में बैंक हिल स्लोप का स्थायीकरण आवश्यक है। |
| कोफर डेम | कोफर डेम सामान्यतया शीट पाइलिंग का एक वाटरटाइट ढांचा है, जो पानी के अन्दर के क्षेत्र को घेरता है उससे पानी बाहर निकाल कर सुखा दिया जाता है जिससे निर्माण कार्य को आसानी से किया जा सके। |
| डाइवर्जन सुरंग | बाँध/बैराज के निर्माण के लिए नदी के पानी को विपथ कर डाइवर्जन सुरंग का निर्माण किया जाता है। |
| डैम एक्सिस | एक डिज़ाइन द्वारा चुनी गयी ऊर्ध्वस्थ सतह या वक्र सतह, जो कि एक योजना या क्रॉस सेक्शन में एक रेखा की तरह दिखाई दे, जिसमें बाँध के समतल आयाम संदर्भित हों। |
| ड्रिल एवं ब्लास्ट विधि (डीबीएम) | डीबीएम सुरंग की हाथ से खुदाई की विधि है अर्थात् ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग द्वारा |
| पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए)/ पर्यावरणीय प्रबन्धन योजना (ईएमपी) अध्ययन | यह अध्ययन प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरण पर सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव के मूल्यांकन के लिए किए जाते हैं जिसमें पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं और कार्यवाही की उत्तरवर्ती योजना होती है। ईआईए/ईएमपी अध्ययन पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने का प्रस्ताव देने से पहले करना वांछित है। |
| भूवैज्ञानिक अप्रत्याशितताएं | परियोजना स्थल पर भूवैज्ञानिक परिस्थितियों के समस्यापूर्ण क्षेत्रों की पहचान के लिए प्रयोग किया गया शब्द। |
| भू आकृति विज्ञान मानचित्रण | भू आकृति विज्ञान मानचित्रण विभिन्न गणितीय, सांख्यिकीय और बिम्ब प्रक्रियाकरण तकनीकों संग्रहित करता है जिससे भू सतह पर भू आकृति विज्ञान, हाइड्रोलोजिकल, इकोलोजिकल और अन्य पहलुओं का निर्धारण किया जाता है। |
| भू तकनीकी मानचित्रण | भू तकनीकी मानचित्रण स्थल पर भू स्थापन से संबंधित सभी सतही विशेषताओं की पहचान और स्थान के लिए किया जाता है। |
| पावर स्टेशन का हैड | जल के बाह्य बहाव के बीच उंचाई के अन्तर को हेड कहते हैं। |
| हैड रेस टनल (एचआरटी) एवं टेल रेस टनल (टीआरटी) | एचआरटी वह टनल है जो हाइड्रोइलैक्ट्रिसिटी के लिए जल इनटेक पर पुल स्थल को पावर हाऊस से जोड़ती है जबकि टीआरटी वह टनल है जो बिजली सृजन के लिए दोबारा नदी में पानी बहाव के लिए जोड़ती है। |
| रेज़ बोरर | रेज़ बोरर वह मशीन है जो विस्फोटकों के प्रयोग के बिना भूमिगत खनन के लिए एक खान |

| प्रतिवेदन में प्रयोग किया गया शब्द | विवरण |
|------------------------------------|---|
| | में दो स्तरों के बीच गोलाकार छिद्र की खुदाई के लिए प्रयोग की जाती हैं। |
| रन आफ रिवर पावर स्टेशन | रन आफ रिवर हाइड्रोइलैक्ट्रिसिटी स्टेशन वह स्टेशन हैं या जिनमें थोड़ा या कोई जलाशय क्षमता नहीं हैं जिससे ऊपर से आता हुआ जल उस समय सृजन के लिए प्रयोग किया जा सके या पुल को जरूर पार कर सके। |
| शाटक्रीट | शाटक्रीट कन्क्रीट है (या कभी कभार मोरटार) एक निर्माण तकनीक के रूप में एक होज द्वारा पहुँचाया जाता है और सतह पर उच्च वेलोसिटी पर नियोजित की जाती है। |
| स्लूइसिंग | स्लूइसिंग खड़ी चट्टान और चट्टानी ढाल की जाँच का एक प्रभावी उपाय है जहाँ मिट्टी पतली और रेतीली है। |
| सर्जशाफ्ट | सर्जशाफ्ट मुख्य भंडारण जलाशय और पावर हाउस के बीच लगाई गई अतिरिक्त भंडारण जगह या जलाशय हैं। |
| स्थलाकृतिक मानचित्रण | स्थलाकृति मानचित्र एक प्रकार का मानचित्र है जिसकी विशेषता है बड़े पैमाने पर विस्तृत विवरण और रिलिफ का मात्रात्मक चित्रण, सामान्यतया आधुनिक मानचित्रण में समोच्च रेखाएं प्रयोग होती हैं किन्तु ऐतिहासिक रूप से विभिन्न विधियां प्रयोग की जाती हैं। |
| टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) | टीबीएम का उपयोग भूमिगत सुरंगों के उत्खनन के लिए किया जाता है। यह तकनीक उन मामलों में उचित है जहाँ सुरंग बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में जगह नहीं हों। |
| वाटर इनग्रेस | वाटर इनग्रेस का अर्थ है निर्माण के समय परियोजना स्थल पर अत्याधिक पानी का प्रवेश होना। |